भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1292
(11 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

ग्रामीण क्षेत्र में विज्ञान मेले

1292. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ग्रामीण क्षेत्रों , जहां अंधविश्वास और अवैज्ञानिक मान्यताएं अधिक प्रचलित हैं , में वैज्ञानिक सोच और तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाएं या विज्ञान मेले आयोजित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं; और

(ग) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में आयोजित किए गए ऐसे कार्यक्रमों की संख्या कितनी है और स्थानीय समुदायों पर इन पहलों का क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) से (ग): ग्रामीण विकास मंत्रालय का प्राथमिक उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। इसलिए , इस मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, जागरूकता कार्यशालाओं या विज्ञान मेलों का आयोजन करने के लिए कोई विशेष उपाय नहीं किए हैं। तथापि , उच्च स्तरीय बुनियादी अनुसंधान और नवोन्मेषी तकनीकों के विकास तथा उपयुक्त कौशल और प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों से संबंधित तकनीकी हस्तक्षेप प्रदान करके देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय को अधिदेशित किया गया है। यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित और चिकित्सा (स्टेम) क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और पार्श्व सोच विकसित करने हेतु अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान उपलब्धियों में नवोन्मेष (इंसपायर)-मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशंस एंड नॉलेज (मानक) , विज्ञान ज्योति, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और राष्ट्रीय गणित दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनता , विशेषकर बच्चों/छात्रों और शिक्षकों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रसार भी करता है।